A–353

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MASL–508

नाटक एवं नाट्यशास्त्र भाग–02

MA SANSKRIT (MASL)

2nd Semester Examination, 2024 (June)

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट : – यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट : – खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. महाकवि भवभूति के जीवनवृत्त पर प्रकाश डालते हुए उनके कृतित्व का विस्तारपूर्वक परिचय दीजिए।

2. नाट्यशास्त्रीय दृष्टिकोण से उत्तररामचरितम् का प्रमुख नाट्यविधा के रूप में मूल्यांकन कीजिए।

3. उत्तररामचरितम् में अंगी रस की योजना का सोदाहरण विस्तृत विवेचन करिए।

4. नायिका का स्वरूप बताते हुए उत्तर रामचरितम की नायिका का विस्तृत चरित्र चित्रण कीजिए।

5. निम्नांकित श्लोकों में से किसी **एक** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

अथेदं रक्षोभिः कनकहरिणच्छद्म विधिना

तथा वृत्तं पापैर्व्यथयति यथा क्षालितमपि।

जनस्थाने शून्ये विकलकरणैरर्यचरितै–

रपि ग्रावा रोदित्यपि दलति वज्रस्य हृदयम्॥

अथवा

शिशुर्वा शिष्या वा यदसि मम तत्तिष्ठतु तथा

विशुद्धेरुत्कर्षस्त्वयि तु मम भक्तिं द्रढयति।

शिशुत्वं स्त्रैणं वा भवतु ननु वन्द्रयसि जगतां

गुणाः पूजास्थानं गुणिषु न च लिङ्ग न च वयः॥

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट : – खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. उत्तररामचरितम् के प्रथम अंक का कथासार लिखिए।

2. उत्तररामचरितम् के छाया अंक का वैशिष्ट्य वर्णन कीजिए।

3. 'भवभूति की नाट्यकला' की विशेषताएँ बताइए।

4. 'एको रसः करुण एव निमित्तभेदात्' इस पर टिप्पणी लिखिए।

5. 'सतां केनापि कार्येण लोकस्याराधनं व्रतम् इस सूक्ति की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

6. 'सत्सङ्गजानि निधनान्यपि तारयन्ति' इस सूक्ति की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

7. 'किन्त्वनुष्ठाननित्यत्वं स्वातन्त्र्यमपकर्षति।

   सङ्कटा ह्याहिताग्नीनां प्रत्यवायैगृहस्थता॥

   इस श्लोक वाक्य की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

8. उत्तररामचरितम् के 'पंचवटीप्रवेश' नामक अंक का सारांश लिखिए।

****